1

515

दृष्टि The Vision

drishti

Drishti Mentorship Programme (Mains)-2024

Essay

Name of Candidate: Siddharth Kr Meena	Subject/Code:
UPSC Roll No: 3600277	Date: 25/08/24
Drishti Id:	E-mail Id:
Centre: M.N.	Medium: Hindi

Test Code: Essay-08

Time allowed: Three Hours

Maximum Marks: 250

(To be filled by Evaluator only)		
	Max. Marks	Marks Obtained
	(Essay Topic No.)	(Marks)
Section-A		
Section-B		
Total		
Overall Feedback		

INSTRUCTIONS

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

- प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबन्ध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।
- प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।
- प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

- The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
- Word limit, as specified, should be adhered to.
- Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

For Student Only			
Time Taken	Start Time: End Time:	Student Signature	
Mode of Examination	Online ☐ Offline ☐		

For Office Use Only				
Evaluators Code	Evaluator Sign	Evaluation Date	Reviewers Code	Reviewers Sign

Feedback

Sr. No	मापदण्ड/Parameters	Max. Marks	Section-A (Essay-1)	Section-B (Essay-2)
1.	**परिचय:** विषय और संलग्रता की स्पष्टता। **Introduction:** Clarity of theme and engagement.	10		
2.	**विषय वस्तु:** प्रासंगिकता, विश्लेषण की गहराई और उदाहरणों/साक्ष्यों का उपयोग। **Content:** Relevance, depth of analysis, and use of examples/evidence.	25		
3.	**संरचना और संगठन:** तार्किक प्रवाह, पैराग्राफ संरेखण और विचारों की सुसंगतता। **Structure and Organization:** Logical flow, Paragraph alignment and Coherence of ideas.	20		
4.	**प्रासंगिकता:** विषय से विचलन की अनुपस्थिति, तर्क और पुष्टि/प्रमाणीकरण के बीच संतुलन **Relevance:** Absence of Deviation from Topic, Balance between argument and substantiation.	20		
5.	**भाषा और अभिव्यक्ति:** स्पष्टता, व्याकरण, वाक्यविन्यास, शब्दावली और अभिव्यक्ति **Language and Expression:** Clarity, Grammar, Syntax, Vocabulary and Articulation	20		
6.	**निष्कर्ष:** तर्कों और निष्कर्ष का प्रभावी सारांश। **Conclusion:** Effective summary of arguments and conclusion.	10		
7.	**मौलिकता और रचनात्मकता:** विचार और रचनात्मक अभिव्यक्ति में नवीनता। **Originality and Creativity:** Innovation in thought and creative expression.	20		
	कुल: Total:	125		

*** UPSC Requirement for Essay Paper:**

Candidates may be required to write essays on multiple topics. They will be expected to keep ***closely to the subject*** *of the essay to* ***arrange their ideas in orderly fashion*** *and to* ***write concisely.*** *Credit will be given for* ***effective and exact expression.***

*** निबंध पेपर के लिए यूपीएससी की अपेक्षा:**

उम्मीदवार को एक विनिर्दिष्ट विषय पर निबंध लिखना होगा। विषयों के विकल्प दिये जायेंगे। उनसे आशा की जाती है कि अपने विचारों को निबंध के ***विषय के निकट*** *रखते हुए क्रमबद्ध करें तथा* ***संक्षेप*** *में लिखें।* ***प्रभावशाली एवं सटीक अभिव्यक्तियों*** *के लिये श्रेय दिया जायेगा।*

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

निम्न खण्ड A व B प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबन्ध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों का हो :

Write two essays, choosing one topic from each of the following Sections A and B, in about 1000-1200 words each: **(125 × 2 = 250)**

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

खंड-A/SECTION-A

Topic: क्या मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है या ध्रुवीकरण का उत्प्रेरक ??

राष्ट्रीय मीडिया दिवस के दिन मैं संसद टीवी पर मीडिया के लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप मे महत्व व ऐतिहासिक उद्विकास पर एक कार्यक्रम देख रहा था। मीडिया के महत्व के बारे मे जानकर मेरी विचार दृष्टि व्यापक हो गई व मैं एक स्वस्थ लोकतंत्र का वासी होने के रूप मे खुश था।

लेकिन मेरी खुशी क्षणिक ही रही। जब मैंने अगला चैनल बदला तो मैंने देखा कि एक न्यूज चैनल के पैनल मे दो विविध धर्मों के कथित प्रतिनिधि एक

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

मुद्दे पर बहस या विमर्श न करके एक-दूसरे को, परस्पर धर्मों को व धार्मिक मूल्यों को अपमानित कर रहे हैं। मैं स्तब्ध रह गया जब मैंने पाया कि इस चैनल के दर्शकों की संख्या करोड़ो मे है। मेरे मन मे ये सवाल उठने लगे कि मीडिया इस तरह से क्यों चीजों को दिखा रहा है? इसका लोगों पर क्या असर पड़ रहा होगा? क्या मीडिया वास्तव मे लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है या मात्र दुष्प्रचार का उत्प्रेरक बन गया है?

आगे बढ़ने से पहले हम यह समझ लेते हैं कि मीडिया का आज के विश्व मे क्या भावार्थ है।

परंपरागत रूप से मीडिया मूलत: प्रिंट मीडिया को माना जाता रहा, लेकिन बाद मे डिजिटल मीडिया, टीवी चैनलो ने इस पर प्रमुखता हासिल की। आज के

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

सूचना व इंटरनेट क्रांति के ~~दौर~~ दौर मे मीडिया वास्तुत: सोशल मीडिया की ओर अधिक विस्तारित हो गया है। सोशल मीडिया जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब आदि न केवल दृश्य-श्रव्य दोनो एक साथ उपलब्ध कराते है ~~ब~~ बल्कि दो-तरफा संचार के माध्यम से वास्तविक समय मे अधिक प्रभावी बन गये है।

आगे बढ़कर अगर ध्रुवीकरण शब्द का मतलब समझना चाहे तो सामान्य शब्दो मे लोगों को किसी भी कारण के आधार पर आपस मे बाँट देने से है। जैसे कुछ लोग धर्म को मानते है (आस्तिक) व कुछ लोग धर्म को नहीं मानते है वे नास्तिक कहलाते है।

लेकिन जब यह ध्रुवीकरण लोगो मे असहिष्णुता, टकराव, विरोध या संघर्ष का कारण बन जाये तो यह वास्तव मे

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

किसी भी सभ्य समाज के लिए समस्या बन जाता है। जैसे हाल ही में भारत मे इस्राइल-फिलिस्तिन के संघर्ष पर दो गुटों मे लोगों का विभाजन होना। या किसान आंदोलन 2022 के दौरान समाज का ध्रुवीकरण या तो आंदोलन के पक्ष या विपक्ष मे होना।

अब आगे बढ़कर यह समझ लेते है कि क्या मीडिया वास्तव मे ध्रुवीकरण का उत्प्रेरक बन गया है। यह बात आज कई विद्वान कह रहे हैं कि आज का मीडिया बिकाऊ है तथा वह समाज को न केवल बांट रहा है बल्कि एक पक्ष को सहयोग कर निष्पक्षता/तटस्थता के मूल्य का उल्लंघन कर रहा है।

जैसे आज हम धार्मिक क्षेत्र मे देखे तो मीडिया द्वारा गलत अफवाहे व

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
drishti
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मिथ्या प्रचार कर न केवल लोगों को उकसाया बल्कि दंगों के नियोजन का माध्यम प्रदान किया है। चाहे वो दिल्ली दंगे 2020 हो या हाल ही के बंगाल में दंगे हो दोनो में मीडिया विशेषत: सोशल मीडिया ने नकारात्मकता फैलायी है।

ऐतिहासिक पक्षों की बात करें तो चाहे सोशल मीडिया हो या टीवी चैनल सभी पर मध्यकाल बनाम प्राचीन काल की श्रेष्ठता, अकबर बनाम महाराणा प्रताप में विजयी जैसे मुद्दों पर लोगों में तीखी बहस छिड़ी है, लोग दो समूहों में धुर्वीकृत होकर असहिष्णु बनते जा रहे हैं।

आगे बढ़ने से पहले यदि हम मीडिया के लोकतंत्र में चौथे स्तंभ

drishti | 641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

के रूप मे रोल को समझे तो पायेंगे कि यह एक माध्यम है सरकार व जनता के बीच कड़ी का, जो लोगों व उनकी आवाज को सशक्त बनाकर सरकार को जवाबदेह बनाता है। लेकिन क्या हो रहा है इस तरक्की के जमाने में — "आदमी है कि इंसान नहीं बनता"।

और कहीं न कहीं आदमी के इस इंसान के रूपांतरण मे रोकने मे मीडिया के ध्रुवीकरण ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

आज चाहे दलित हितों की बात हो या आरक्षण की बात हो मीडिया ने लोगों को दो हिस्सों मे बांट दिया है। आज हम लोग अंबेडकरवादी व अंबेडकरविरोधी मे बंट गए हैं।

हाल ही मे एसटी-एससी मे उपवर्गीकरण के लिए आये सुप्रीम कोर्ट

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

के फैसले के बाद मीडिया पर द्वेषपूर्ण बहसों व सोशल मीडिया पर मिथ्या प्रचार ने भारत बंद का आयोजन जैसी दशाओं को पैदा किया।

भेद व भाषा के स्तर पर भी मीडिया ने दुष्प्रचार किया है। कुछ दिनों पहले सोशल मीडिया पर तमिलनाडु मे कुछ ~~हिंदूभाषी~~ हिंदीभाषी लोगों के साथ मार-पीट का चलचित्र वायरल हुआ या कहें लोगो ने किया इससे देश मे क्षेत्रीय द्वेष को बढ़ावा मिला।

मीडिया द्वारा हिंदी व गैर-हिंदी के समूहों मे हमारा बंटवारा आज भी हमारी त्रिभाषा नीति को न केवल विफल बना रहा है बल्कि लोगों के वास्तविक एकीकरण मे बाधक बन गया।

कुछ ऐसा ही हाल उतर भारत

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बनाम उत्तर-पूर्व भारत, जनजातीय बनाम गैर-जनजातीय, आरक्षण समर्थक बनाम आरक्षणविरोधी, राजनीतिक पार्टी A बनाम राजनीतिक पार्टी B आदि मे हमारे समाज व देश के ध्रुवीकृत रूप मे देखा जा सकता है, जिसे मीडिया ने अपने टीआरपी के लिए चुनाया व प्रेरित किया है। यदि आज गांधीजी होते तो अवश्य कहते -

"देश तो आजाद हो गया है
पर लोग पराये हो गये है।"

लेकिन समझना का बिंदु ये है कि मीडिया ऐसा क्यों करता है। मीडिया वस्तुत: ऐसा आज बढ़ते मीडिया प्रतिस्पर्धा के युग मे अपने लाभों को अधिकतम करने के लिए सनसनीखेजीकरण के लिए करता है।

Copyright - Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मीडिया अपना लाभ सत्ता पक्ष या बलशाली के भय, दबाव में भी आकर करता है ताकि उसका कोई प्रत्यक्ष या परोक्ष नुकसान न हो।

हम देखते है कि मीडिया सत्ता पक्ष बनाम विपक्ष के रूप में भी देश को ध्रुवीकृत करती है जबकि वह भूल जाती है कि मीडिया का दायित्व सत्ता पक्ष की तटस्थ जवाबदेहिता बनाने मे है।

लेकिन शायद यह सिक्के का एक ही पहलू है ऐसा भी नहीं कि मीडिया पूर्णत: ध्रुवीकरण का ही माध्यम बन गया है। आज भी मीडिया लोकतंत्र मे सशक्त व स्वास्थ भूमिका निभा रहा है यदि भारत के संदर्भ मे देखे 78 साल तक लोकतंत्र की स्थिरता ही इसका प्रमाण है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

हाल ही में कोलकाता में मेडिकल की छात्रा के साथ दरिंदगी का मामला हो या मणिपुर के हिंसाग्रस्त क्षेत्र का दो महिलाओं के उत्पीड़न का वायरल वीडियो हो, दोनों में ही मीडिया, सोशल मीडिया ने लोगों को एकत्रित किया व शासन व प्रशासन को जवाबदेह बनाया। यह मीडिया का 4th स्तंभ के रूप में सशक्त अभिव्यक्ति मानी जा सकती है।

कुछ ऐसी ही अभिव्यक्तियाँ हमने मध्यपूर्व में अरब स्प्रिंग 2011 व हाल ही मे बांग्लादेश में सत्ता बदलाव के रूप में देखी हैं, जहां जनता की सामूहिक आवाज ने दोषपूर्ण व्यवस्था में युगांतरकारी परिवर्तन पैदा किये। अगर यह संभव हुआ तो मीडिया द्वारा चौथे

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

स्तंभ के रूप मे लोगों को जोड़ने व सशक्त बनाने के कारण हुआ है।

सामाजिक संग मे चाहे वो महिला न्याय के #MeToo आंदोलन हो या केरल मे आयी बाढ़ के लिए दान का अभियान हो व इन सबसे बढ़कर कोविड-19 के दौरान लोगों ने सोशल मीडिया व मीडिया के माध्यम से मौखिक व मैनेजमेंट सहायता के साथ पीएम केयर्स फंड मे दान को जो आवाज दी वह मीडिया का ही सहयोग रहा।

आज भी मीडिया मे विद्वानों द्वारा लेख-लिखकर, चैनलों पर रचनात्मक बहस द्वारा मुद्दों का व्यापक विश्लेषण किया जाता है जो न केवल सत्ता पक्ष की कमियों को उजागर करता है बल्कि बेहतर उपाय व सुझाव भी प्रदान करता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

जैसे हाल ही मे सरकार ने लोगों ने समान नागरिक संहिता जैसे विषय पर विचार मांगे हैं व लोगों ने सोशल मीडिया का व्यापक प्रयोग कर अपनी आवाज को सरकार व प्रतिनिधियों तक पहुंचाया है।

ध्यातव्य रहे कि मीडिया या कहे सोशल मीडिया का ध्रुवीकरण में प्रेरक होना वस्तुत: अपने आप मे इस माध्यम की कमी नहीं है बल्कि इसे प्रयोग मे लाने वाले मन का परिणाम है।

"सोशल मीडिया दोधारी तलवार की तरह है।"

फलत: होना यह चाहिए कि हम आपस के मिलकर एक ऐसा संवादपूर्ण समाज बनाए जहाँ हम किसी

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भी प्रकार के बहकावे या भ्रम में न आये बल्कि जवाब देकर एकता प्रदर्शित करें।

क्योंकि कहीं न कहीं हमारा ~~किसी भी~~ विषय पर बँट जाना इसका मूल कारण है। मीडिया : हो या साहित्य प्राय: समाज का दर्पण है।

आज के इस वैश्वीकरण के युग में जब साधन की उपलब्धता एक सामान्य बात हो गई है, हमे चाहिए कि हम सबसे पहले गाँधीजी के अनुसार स्वयं में बदलाव लावें व मीडिया जैसी दोधारी तलवार का रचनात्मक प्रयोजन को अधिकाधिक करने के लिए ऐसी मीडिया नैतिकता की पालना की दशा बनाये जहाँ, मीडिया लोक कल्याण दिखाये तब कहीं जाकर हम "सर्वे भवंतु सुखिन:" वाला वसुधैव कुटुंब बन पायेंगे।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-1

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड-B/SECTION-B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

7. Topic: सुधार के लिये परिवर्तन अपरिहार्य है जबकि उत्कृष्टता के लिए सुधार की निरंतरता

एक बार एक जंगल में बहुत भयावह आग लगी जिससे चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। अधिकांश पशु-पक्षी अपनी-अपनी जान बचाकर भागने लगे। ~~तभी~~ तभी दिखाई दिया कि वहाँ एक चिड़िया अपनी चोंच मे पानी भर-भरकर आग पर डाल रहा है व आग बुझाने को प्रयासरत है ताकि यह दुर्दशा ~~रुक~~ रुक जाये। चिड़िया को देखकर ऊँचे बरगद के पेड़ पर बैठा बंदर हँसकर बोला कि - 'देखो यह छोटी सी चिड़िया शायद पागल हो गई है।' इस पर जवाब मे चिड़िया ने हो सकता है मै पागल हो गई हूँ जो इस बदलाव (परिवर्तन) के लिए प्रयास कर रही हूँ। लेकिन जब भी जंगल का इतिहास

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

लिखा जायेगा तो मेरा नाम आग बुझाकर परिवर्तन का प्रयास करने वालों मे होगा न कि निष्क्रिय बैठे प्राणियों में।

उपरोक्त कथन बंदर को सबक सिखा देता है कि जंगल की आग मे सुधार के लिए परिवर्तन आवश्यक है।

उपर्युक्त संपूर्ण कहानी ने मेरे मन मे सवाल पैदा किया कि परिवर्तन सुधार के लिए क्यों अपरिहार्य है व मात्र परिवर्तन ही जीवन मे उत्कृष्टता पैदा कर सकता है?

अब सबसे पहले यह समझ लेते हैं कि आखिर परिवर्तन क्या होता है। वस्तुत: परिवर्तन पिछली दशा से आगे बढ़ जाना है। जैसे- मौसम परिवर्तित होता है हमारे कपड़े, वाद्य सहित कुछ हद तक खान-पान भी परिवर्तित हो जाता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अगली बात यह समझनी है कि यदि परिवर्तन न हो तो उसका क्या परिणाम हो। इसे हम एक सरल उदाहरण से समझे माना पृथ्वी अपना घूमना बंद कर दे, मौसम का प्रतिरूप स्थिर हो जाये। हवा, ताप, दाब का प्रतिरूप स्थिर हो जाये। इससे क्या होगा? इससे संपूर्ण पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व ही समाप्त हो जायेगा क्योंकि पृथ्वी की इसी परिवर्तनशीलता का परिणाम है जीवन का होना।

फलत: यह स्पष्ट है कि सुधार के लिए परिवर्तन अपरिहार्य है जिसे हम जीवन के विस्तृत फलक पर देख पाते है।

" जब एक नदी एक जगह स्थिर हो जाती है तो धीरे-धीरे उसका पानी सड़ने लगता है व नदी का अस्तित्व नहीं रहता है। नदी का जीवन उसके पानी के सतत प्रवाह (परिवर्तनशीलता) का परिणाम है।"

मानव के इतिहास मे देखे तो मानव द्वारा आग का आविष्कार, पहिये का आविष्कार

drishti | 641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कर निरंतर परिवर्तन कर अपने जीवन को पशुओं से बेहतर व सुधारयुक्त बनाया है।

भारतीय समाज में सतत परिवर्तनशील होने का गुण ही भारतीय संस्कृति को संरक्षित कर पाया है। चाहे वह अमानवीय सती प्रथा, नरबलि प्रथा पर निषेध हो या भेदभावकारी तीन तलाक जैसी प्रथाएँ हो। भारतीय समाज की यह सुधार वृत्ति इस वाक्य को चरितार्थ करते आयी है -

"कुछ बात है हमसे! हस्ती मिटती नहीं हमारी, सदियों दुश्मन-ए-दौर जमाना रहा।"

राजनीतिक क्षेत्र में परिवर्तनहीनता ने तानाशाही को पैदा किया चाहे वो गद्दाफी का शासन रहा हो या वर्तमान में उत्तर कोरिया में किंग जोंग उन तानाशाह का। लेकिन अमेरिका, भारत सहित देशों ने परिवर्तन कर लोकतंत्र को अपनाया और आज हम देख पाते हैं कि भारत में

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

प्रधानमंत्री तक की आलोचना संभव है लेकिन चीन या उत्तर कोरिया मे ऐसी उम्मीद भी करना बेमानी है।

इसी प्रकार अब्राहम समझौता हो या अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी सभी इसी परिवर्तन को दर्शाते हैं।

अब हम इसे समेटकर यह कह सकते हैं कि आर्थिक क्षेत्र मे गोधपोल ध्यारी से समावेशी संवृद्धि की ओर जाना हो, या प्रशासन मे ई-शासन की ओर जाना हो, गाँवो से शहरों की ओर बढ़ना हो या प्रौद्योगिकी मे आग से लेकर रोबोट तक जाना हो ये सभी उस अपरिहार्य परिवर्तन के ही परिणाम हैं जिनसे ये सुधार हो पाये हैं, अन्यथा शायद हमारा स्वरूप पुराना ही होता।

विश्लेषण का अगला बिंदु यह है कि क्या परिवर्तन ही उत्कृष्टता

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

के लिए पर्याप्त होगा। या उत्कृष्टता के लिए सुधार की निरंतरता अर्थात सतत परिवर्तन आवश्यक है।

आगे बढ़ने से पहले हमे सुधार की निरंतरता (change often) को भी समझ लेना चाहिए। मूलतः सुधार की निरंतरता सतत परिवर्तनशीलता को दर्शाती है, जहाँ हम एक या दो बार मात्र परिवर्तन नहीं बल्कि नित्य बदलाव करते हैं।

क्षणवादी बौद्ध धारा भी इसी तथ्य पर बल देती है कि प्रकृति हर क्षण बदल रही है। किसी ने ठीक ही कहा है-

"आप एक नदी मे दो बार नहीं स्नान कर सकते हैं क्योंकि पहले स्नान के बाद ना तो नदी वही नदी रहती है न ही आप समान रह पाते हैं।

अब समझना यह होगा कि यदि हम निरंतर परिवर्तन न करे तो कैसे हम उत्कृष्टता से पिछड़ जाते हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

~~क्योंकि~~ उत्कृष्टता तुलसीदास के 'रामराज्य' की तरह है जहां दैहिक दैविक या भौतिक किसी भी प्रकार का ताप (समस्या) नहीं होती है।

मानव अपने विकास क्रम में बैलगाड़ी युग से जेट युग, गाँवो से महानगर तो गया लेकिन फिर स्थिर हो गया जिसका परिणाम है कि हम आज उत्कृष्टता से दूर समस्या युक्त है। चाहे वह प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वॉर्मिंग की समस्या हो या हाल ही में दिल्ली में आयी शहरी बाढ़ का संकट हो जिसने तीन सिविल सेवा परीक्षा प्रतिभागियों की जान ले ली।

हम ग्रोथ पोल थ्योरी से समावेशी विकास की धारणा की ओर तो गये लेकिन बाद में उसमे जड़ता आ गई जिसका

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ही परिणाम है आज भारत सहित संपूर्ण विश्व मे व्यापक गरीबी, बेरोजगारी व विषमता का माहौल है।

"विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 के अनुसार निचले गरीब आधी वैश्विक आबादी के पास कुल संपत्ति का भाग 2% है।"

कुछ ऐसी ही दशा हमे ऑक्सफेम रिपोर्ट मे दिखाई देती है, जो हमारी सुधार की निरंतरता के न होने का परिणाम है।

राजनीतिक क्षेत्र मे दलबदल कानून के आने के बाद भी आज भारत मे व्यापक सिद्धांतविहीन स्वार्थपरक दलबदल की राजनीति चल रही है। सुप्रीम कोर्ट के भी इस कानून मे पुनः बदलाव की जरूरत को इंगित किया है।

अब्राहम समझौते के बाद भी आज इजरायल - फिलिस्तीन मे संघर्ष

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

से उपजी अमानवीय दशाएँ हो या बर्लिन दीवार के ढहने के बाद भी रूस का यूक्रेन मे आक्रमणकारी हस्तक्षेप हो या भारत के गुटनिरपेक्षता का गुटनिरपेक्षता 2.0 के बाद भी गुटनिरपेक्ष आंदोलन की प्रासंगिकता पर प्रश्न चिह्न उठना हो। ये सभी संकेत करते हैं कि मानव परिवर्तन पर न रुके बल्कि ~~सतत~~ सतत सुधार करते रहना चाहिए।

अब हमे यह समझना होगा कि सुधार की निरंतरता कैसे उत्कृष्टता की ओर ले जाती है। दरअसल सुधार की निरंतरता या सतत परिवर्तनशीलता हमे हमारी कमियों की जानकारी प्रदान करती है, इसिलिए हमे जाँच व सुधार का मौका मिलता है जो हमे अंतत: जड़ता से सदैव दूर रखता है। भारतीय राष्ट्रीय

Copyright – Drishti The Vision Foundation

आंदोलन के दौरान नरमपंथी नीतियों ने आयी जड़ता ने एक समय के बाद सूरत विभाजन के रूप में नुकसान पहुँचाया। गाँधीजी के प्रवेश ने आंदोलन को सुधार की निरंतरता प्रदान की तथा आंदोलन चंपारण सत्याग्रह से असहयोग आंदोलन में, फिर असहयोग से सविनय अवज्ञा व फिर भारत छोड़ो आंदोलन के द्वारा स्वतंत्रता लाकर उत्कृष्टता प्रदान की।

इसी तरह का भाव हम दो विश्व युद्धों के बाद यूरोप या यूरोपीय संघ के एकीकरण में देख पाते हैं।

लेकिन मेरे मन में एक सवाल सदैव रहता है कि क्या मात्र परिवर्तन या सुधार की सततता सदैव उत्कृष्टता या नैतिक उत्कृष्टता की ओर ले जाती है?

Copyright – Drishti The Vision Foundation

विचार कर समस्त संकेत है।

कि हिटलर ने सर्वप्रथम प्रथम विश्व युद्ध के बाद जर्मनी के छोटे हिस्से मे बदलाव किया व फिर वह सतत परिवर्तन कर आक्रामक होता गया जो अंतत: यहूदियों के नरसंहार व द्वितिय विश्व युद्ध मे परिणित हुआ। ये परिवर्तन का रूप था सुधार वैश्विक मानवता के लिए कल्याणकारी नहीं था।

आज हम आदि मानव से औद्योगिक क्रांति 1.0, 2.0, 3.0, 4.0 के दौर मे आने के लिए सतत परिवर्तन करते आये हैं लेकिन परिणाम क्या हुआ? आईपीसीसी रिपोर्ट बताती है कि छठवा सामूहिक विलोपन का खतरा अपना मुँह बाये खड़ा है।

फलत: न केवल परिवर्तन यह सुधार की निरंतरता हो बल्कि यह

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

सुधार रूपी परिवर्तन ~~अ~~ नौतिक हो जिसमे गाँधीजी के साधन व साध्य दोनो की पवित्रता का पालन किया जाये। ऐसा परिवर्तन जो सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरणीय सहित प्रौद्योगिकी के मानको पर नौतिक व व्यावहार्य हो। तब कहीं जाकर हम एक ऐसा वसुधैव कुटुम्ब बना पायेंगे जहाँ सभी प्राणी जगत इस चिड़िया की तरह न केवल आग बुझायेंगे बल्कि ऐसी कोई नौबत ही पैदा न होने देगी। तथा भारतीय संस्कृति के ध्येय वाक्य को चरितार्थ करेंगे:-

" सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया
सर्वे भद्राणि पश्यंतु, मा कश्चिद दुःख भाग्भवेत।"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-2

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

क्या मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है या ध्रुवीकरण का उत्प्रेरक?

Intro :- Ex राष्ट्रीय मीडिया विवाद पर मीडिया पर संसद टीवी + तमाम ... चैनल ... अपमान
M vs M ... धार्मिक ...
क्या ध्रुवीकरण का उत्प्रेरक है
– क्यों ऐसा है

Main – मीडिया ? → आवश्यकता (डिजिटल, प्रिंट, चैनल)
① ...
② ध्रुवीकरण स्वरूप
③ मीडिया ध्रुवीकरण का उत्प्रेरक → US election; डिजिटल / ...
- धार्मिक → हिजाब, ... प्रचार; सामाजिक जीवन; दिल्ली दंगे 2020; बंगाल दंगे 2023
- किसान आंदोलन
- ऐतिहासिक → ... आंदोलन
- दलित → ... vs ...
- आरक्षण → आरक्षण विरोधी, ... SC ...
- क्षेत्रीय भावनाएं → N vs S, ... TN ...
- ... vs ...
- प्रोपेगेंडा
- गरीब
- अंग्रेजी
- शाहीन बाग का पक्ष
④ ...

⑤ लेकिन ऐसा ही मात्र नहीं है ये स्तंभ भी है
- दबाव समूह की ...
- कलकत्ता ... मणिपुर ...
- ... बैंक ...
- पत्रों के ...
- ... आर्थिक ...
- #MeToo
- किसान आंदोलन

⑥ क्या होना चाहिए — निष्कर्ष

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

① क्या वास्तविक प्रगति के लिए परिवर्तन ही उत्कृष्टता है । 31

4 थी जब तक ... परिवर्तन ...

दृष्टि The Vision

परिवर्तन के लिए साधन ... पृथ्वी ... पारम्परिक

② विकल्प :

SPACE FOR ROUGH WORK

(Improve)

सुधार के लिए परिवर्तन अपरिहार्य है लेकिन

उत्कृष्टता के लिए सुधार की निरंतरता

(perfection)

Intro :- जंगल 'चिड़िया' की कहानी

└ परिवर्तन

NAM
NAM 2.0
3.0

Mid. → ① परिवर्तन क्या है → यदि 'पृथ्वी घूमना बंद कर दे', हवा, पानी बहना बंद

└ नदियाँ-गतियाँ

└ परिवर्तन ही सत्य है

(ii) → सुधार की निरंतरता = सतत परिवर्तनशीलता

प्रवाह
प्रकृति निरंतर
परिवर्तन

" एक जगह रुका पानी सड़ जाता है "

एक नदी में आप दोबारा नहीं।

② सुधार के लिए परिवर्तन अपरिहार्य है → गांव → शहर → उदाहरण

~~लेकिन उत्कृष्टता के लिए पर्याप्त नहीं है~~

इतिहास — आविष्कार
अर्थव्यवस्था
समाज — सती प्रथा, तीन तलाक
आर्थिक — डिजिटल, बैंकिंग
राजनीतिक — राजशाही, तानाशाही, अंतर्राष्ट्रीय समझौता [शिक्षा ...]

मानव सभ्यता का विकास (आग)

③ लेकिन क्या मात्र परिवर्तन पर्याप्त है
उत्कृष्टता के लिए नहीं क्यों

कौशल नीतियां उपद्रव

औ. क्रांति — प्रदूषण

संसाधन — बेरोजगारी, भौतिकवाद

गांधी जी, अमीरों में विषमता

oxfam

वैश्वीकरण — संरक्षणवाद

इतिहास — पलायन

⑤ सुधार की निरंतरता ही उत्कृष्टता

NAM
NAM 2.0 3.0

सतत कौशल प्रयास और सुधार

गांधीजी के आंदोलन → ... → ...

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation